भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3856
27/03/2026 को उत्तरार्थ

विषय- कृषि भूमि जोतों का घटता आकार
3856 श्री एस. निरंजन रेड्डीः
क्या **कृषि एवं किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या सरकार इस तथ्य से अवगत है कि देश में पिछले कुछ वर्षों के दौरान सीमांत और लघु किसानों की संख्या में वृद्धि के साथ प्रचालन योग्य भूमि जोतों का औसत आकार घट गया है;
(ख) क्या खंडित भूमि जोत कृषि उत्पादकता और आधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाने को प्रभावित करती हैं; और
(ग) सरकार ने सिकुड़ती भूमि जोतों से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए क्या कदम उठाए हैं, जिनमें किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को प्रोत्साहन देना शामिल है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) से (ग): कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित कृषि गणना 2015-16 के अनुसार, वर्ष 2010-11 में 1.15 हेक्टेयर परिचालन जोत की तुलना में इसका औसत आकार 1.08 हेक्टेयर है। तथापि, अखिल भारतीय स्तर पर कुल खाद्यान्न का उत्पादन वर्ष 2013-14 में 265.0 मिलियन टन से बढ़कर 2024-25 में 357.7 मिलियन टन हो गया है। इसी प्रकार, अखिल भारतीय स्तर पर कुल बागवानी फसलों का उत्पादन वर्ष 2013-14 में 277.4 मिलियन टन से बढ़कर 2024-25 में 369.1 मिलियन टन (तीसरे अग्रिम अनुमान) हो गया है।

भूमि का उत्पादक उपयोग सुनिश्चित करने के लिए, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने, फसल सघनता बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए कई पहल कार्यान्वित की हैं। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) और फसल विविधीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत राज्यों को क्षेत्र विशिष्ट उच्च मूल्य वाली फसलों, दलहन, तिलहन और बागवानी फसलों को अपनाने के लिए सहायता प्रदान की जाती है। सॉइल हेल्थ एंड फर्टिलिटी (एसएचएंडएफ), समेकित बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच), राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन (एनएमईओ)-ऑयल पाम, राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन (एनएमईओ)-तिलहन, दलहन आत्मनिर्भरता मिशन, जैविक और सतत खेती के लिए परंपरागत कृषि विकास योजना (पीकेवीवाई), वर्षा सिंचित क्षेत्र विकास (आरएडी) जैसी योजनाएं किसानों को जलवायु-अनुकूल उच्च मूल्य वाली और विविध फसलों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) कृषि जोतों के उत्पादन, उत्पादकता में वृद्धि करने के लिए स्थान विशिष्ट किस्मों को विकसित करने के लिए अनुसंधान कार्यक्रम आयोजित करती है और इसने खेती के तहत क्षेत्र को बढ़ाने के लिए कई प्रौद्योगिकीय उपाय किए हैं। इसमें वर्षा जल के बहाव से होने वाले मृदा अपरदन को रोकने के लिए स्थान विशिष्ट बायो-इंजीनियरिंग, रेत के टीलों का स्थिरीकरण और वायु अपरदन को रोकने के लिए शेल्टर बेल्ट प्रौद्योगिकी तथा देश की समस्याग्रस्त मिट्टी के लिए सुधार प्रौद्योगिकी शामिल है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने जिप्सम प्रौद्योगिकी पद्धतियां भी विकसित की हैं जिसमें भूमि समतलीकरण, बंडिंग, फ्लशिंग, अतिरिक्त जल की निकासी, अच्छी गुणवत्ता वाला सिंचाई जल, सुधारों का कार्यान्वयन, फसलों का चयन और कुशल पोषक तत्व प्रबंधन शामिल है। इसके अतिरिक्त, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को दूर करने के लिए, आईसीएआर ने वर्ष 2014-2024 के दौरान 2,900 फसल किस्में जारी की हैं, जिनमें से 2,661 किस्में एक या एक से अधिक बायोटिक और/या अबायोटिक स्ट्रेस को सहन कर सकती हैं।

भारत सरकार वर्ष 2020 से 10,000 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के गठन और संवर्धन के लिए केंद्रीय क्षेत्र की योजना कार्यान्वित कर रही है ताकि लघु और सीमांत किसानों सहित किसानों को सामूहिक रूप से संगठित किया जा सके और उन्हें अपनी मोलभाव की क्षमता बढ़ाने, बड़ी अर्थव्यवस्था का लाभ उठाने, उत्पादन लागत को कम करने और उनकी कृषि उपज के एकत्रीकरण के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने में सक्षम बनाया जा सके।

इस योजना के तहत, तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रति एफपीओ 18.00 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, संस्थागत ऋण सुलभता सुनिश्चित करने के लिए प्रति एफपीओ 15.00 लाख रुपये की सीमा के अधीन प्रति किसान सदस्य 2,000 रुपये तक का मैचिंग इक्विटी अनुदान और प्रति एफपीओ 2 करोड़ रुपये तक के परियोजना ऋण की ऋण गारंटी सुविधा प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, क्लस्टर आधारित व्यापार संगठनों (सीबीबीओ) को पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रत्येक एफपीओ को सहायता प्रदान करने के लिए 25 लाख रुपये प्रदान किए जाते हैं। वर्तमान में उक्त योजना के तहत 10,000 एफपीओ पंजीकृत किए गए हैं। इन पहलों ने लाखों लघु और सीमांत किसानों को सामूहिक खेती, इनपुट खरीद, मूल्यवर्धन और बेहतर बाजार पहुंच के माध्यम से घटती भू-धारिता की परेशानी से निपटने के लिए सशक्त बनाया है।

*****